BPYG-172

स्नातक

सत्रीय कार्य 2022-23

BPYG–172

धर्म दर्शन

अंतःविषयक एवं पराविषयक अध्ययन विद्यापीठ

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-68

प्रिय विद्यार्थी,

यह सत्रीय छह क्रेडिट के बीपीवाईजी-172 धर्म दर्शन का अध्यापक मूल्यांकित सत्रीय कार्य है। इस सत्रीय कार्य के अधिकतम अंक 100 हैं और इसका भारांक 30 प्रतिशत है।

इस सत्रीय कार्य में दीर्घौत्तरीय, लघु उत्तरीय और लघु टिप्पणी वाले प्रश्न हैं। सत्रीय कार्य को आरम्भ करने के पहले पाठ्यक्रम पुस्तिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह महत्वपूर्ण है कि सभी प्रश्नों के उत्तर स्वयं अपने शब्दों में लिखें। प्रश्नों के उत्तर खण्ड के लिए निर्धारित शब्द-सीमा में होना चाहिए। प्रश्नोत्तर का यह अभ्यास आपकी लेखन क्षमता में सुधार करके अन्तिम मुख्य परीक्षा के लिए आपको तैयार करेगा।

सत्रीय कार्य को निर्धारित समय में जमा करने पर ही आपका अभ्यर्थन स्वीकृत होगा। सत्रीय कार्य को पूरा करने की समय-सीमा निम्नवत् है:-

सत्र	**अन्तिम तिथि**	**किसे जमा किया जाए**
जुलाई, 2022 सत्र	अप्रैल 30, 2023	अध्ययन केन्द्र के समन्वयक को
जनवरी, 2023	अक्टूबर 31, 2023	अध्ययन केन्द्र के समन्वयक को

सत्रीय कार्य को जमा करने की पावती को अध्ययन-केन्द्र से अवश्य लें और पावती को सम्भालकर रखें। सत्रीय कार्य की प्रतिलिपि को भी सुरक्षित रखें।

मूल्यांकन के पश्चात् अध्ययन-केन्द्र आपके सत्रीय कार्य को वापिस कर देगा। इस हेतु अध्ययन-केन्द्र से सुदृढ़ प्रार्थना करें। अध्ययन-केन्द्र आपके प्राप्तांक को विद्यार्थी मूल्यांकन केन्द्र, इग्नू नई दिल्ली को भेजेगा।

शुभकामनाओं सहित!

बीपीवाईजी- 172 धर्म दर्शन

(जेनेरिक कोर्स)

(अध्यापककृत मूल्यांकन सत्रीयकार्य)

कोर्स कोड: बीपीवाईजी-172

सत्रीयकार्य कोड: BPYG-172/ASST/TMA/2022-23

अधिकतम अंक: 100

नोट:

1. सभी पांच प्रश्नों का उत्तर दीजिए।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रश्न क्रमांक 1 और 2 के उत्तर लगभग 400-400 शब्दों में दीजिए।

1. धर्म की उत्पत्ति सम्बन्धी समाजशास्त्रीय सिद्धान्त पर टिप्पणी लिखिए। 20

   अथवा

   विलियम जेम्स के धार्मिक अनुभव के विश्लेषण पर टिप्पणी लिखिए। 20

2. धर्म दर्शन पर नारीवादी दृष्टिकोण पर टिप्पणी लिखिए। 20

   अथवा

   धर्म की कुछ प्रमुख विशेषताओं की संक्षिप्ततः चर्चा कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 250-250 शब्दों में दीजिए।

   अ) धार्मिक भाषा के सादृश्यमूलक पथ पर टिप्पणी लिखिए। 10

   आ) रूडोल्फ ऑट्टो किस तरह धार्मिक अनुभव की वैधता सिद्ध करते हैं? संक्षेप में चर्चा कीजिए।10

   इ) क्या आप ऐसा सोचते हैं कि पंथनिरपेक्षता का भारतीय समझ पंथनिरपेक्षता की सामान्य समझ से भिन्न है? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क दीजिए। 10

   ई) अशुभ की तार्किक समस्या पर टिप्पणी लिखिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार के उत्तर लगभग 150-150 शब्दों में दीजिए।

अ) धर्म की उत्पत्ति सम्बन्धी प्राकृतिक सिद्धान्त के साथ मूलभूत समस्याएं क्या हैं? 5

आ) धर्म और धर्म दर्शन किस तरह सम्बन्धित हैं? संक्षेप में चर्चा कीजिए। 5

इ) उत्कृष्ट समंजन युक्ति पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5

ई) सर्वेश्वरवाद की मूलभूत मान्यताएं क्या हैं? 5

उ) 'आत्म निर्माण ईश्वर सम्बन्धी प्रमाण' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5

ऊ) अज्ञेयवाद की चुनौतियों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच पर लगभग 100-100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

अ) तर्कबुद्धि परम ज्ञान के प्रमाण/स्रोत के रूप में 4

आ) प्रार्थना 4

इ) मिथक 4

ई) एकेश्वरवाद 4

उ) ईश्वर सम्बन्धी 'सम्भव संसारों में से सर्वोत्तम संसार' प्रमाण 4

ऊ) अशुभ की समस्या 4

ए) धार्मिक कट्टरतावाद 4

ऐ) संस्कृतिकरण 4